हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

10 धांगड़ में 2 सर्विस स्टेशन और फैक्ट्री सहित 12 कनेक्शन काटे

12 धान सीजन से पहले बढ़ी यूरिया की मांग किसान समय से पहले...

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था-तो अब इंतजार किस बात का

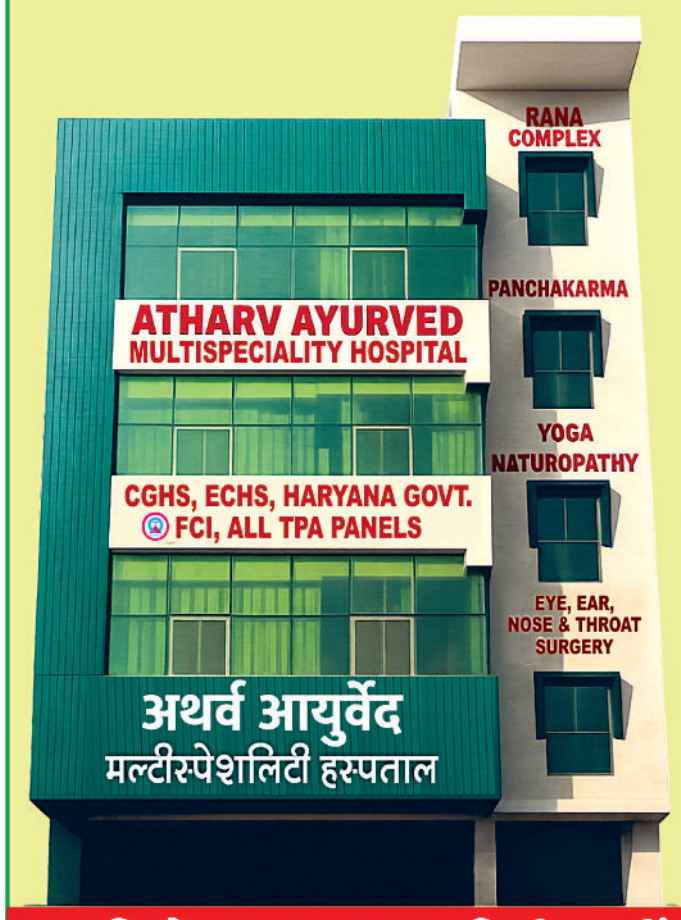

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक Contact: 01262-257211 8053928881, 8053128881

Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में
CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें
बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद-पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक स्पैशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।
पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

बिना चीर फाड़
Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो
हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में
आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं
*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain
जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, लकवा, नसों का फूलना/ कमजोरी आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैथुरोपैथी
पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

गुर्दे-शुगर-बी. पी.
बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं
- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का
बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

नये-पुराने सभी दर्दों में अग्निकर्म, रक्तमोक्षण से तुरन्त आराम

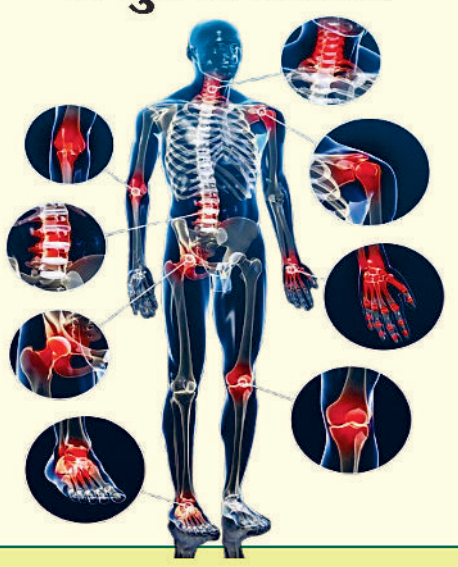

फिज़ीयोथैरेपी
आधुनिक मशीनों एवं क्वाईपफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न, जोड़ों, मांस-पेशियों नसों की कमजोरी, चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी, स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी
दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

योग नैचुरोपैथी
से
बिना दवा ईलाज

शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति
स्वस्थ लम्बा जीवन पायें;
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

खबर संक्षेप

एडवोकेट आशीष बिश्नोई को किया सम्मानित

सिरसा। विश्व पर्यावरण दिवस पर पूर्व गृहमंत्री स्व. मनीराम गोदारा के दोहते एडवोकेट आशीष बिश्नोई का श्री गुरु जंभेश्वर मंदिर सिरसा में बिश्नोई सभा द्वारा सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि एडवोकेट आशीष बिश्नोई पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट, चंडीगढ़ बार कौंसिल के उपाध्यक्ष पद पर चयनित हुए हैं। मन्दिर परिसर पहुंचने पर सभा प्रधान खेमचंद बेनीवाल, सभा पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों व उपस्थित गणमान्यजनों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया व उन्हें जांभाणी साहित्य भेंट किया गया।

क्रेडिट कार्ड के नाम पर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। साइबर थाना सिरसा पुलिस ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर एक युवती से 98,689 रुपए की ठगी करने के आरोपी को पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि अग्रसेन कॉलोनी निवासी एक युवती ने साइबर थाना सिरसा में शिकायत दर्ज करवाई थी

नौकरी दिलाने के नाम पर 1.90 लाख ठगे

सिरसा। जिला के गांव अलीमोहम्मद के युवक से विदेश में जॉब लगवाने के नाम पर एक लाख 90 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर राजस्थान के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में नाथूसरी चौपटा थाना क्षेत्र के गांव अलीमोहम्मद निवासी प्रवीण कुमार ने बताया कि उसकी पहचान आरजे जिला हनुमानगढ़ के गांव जिलोधा निवासी अमित गोदारा से हुई थी।

लोडिंग ऑटो और मिनी ट्रैक्टर पर मिल रहा अनुदान

सिरसा। हरियाणा सरकार का मत्स्य विभाग प्रदेश के मछली पालकों और मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए विभाग द्वारा अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। सघन मत्स्य विकास कार्यक्रम के तहत अब मछली परिवहन और लोडिंग कार्य के लिए ऑटो, चार पहिया वाहन और ट्रॉली सहित मिनी ट्रैक्टर खरीदने पर सरकार अनुदान दे रही है।

टोहाना में श्री अरूट महाराज जयंती महोत्सव आज

फतेहाबाद। टोहाना के शगुन मैरिज पैलेस में 7 जून, रविवार श्री अरूट जी महाराज जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। अरोड़वंश महासभा फतेहाबाद के प्रधान आजाद सचदेवा ने समाज के लोगों से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि टोहाना में पहली बार इतने बड़े स्तर पर यह महोत्सव आयोजित हो रहा है।

पानी की बर्बादी पर जन स्वास्थ्य विभाग का बड़ा एक्शन

धांगड़ में 2 सर्विस स्टेशन और फैक्ट्री सहित 12 कनेक्शन काटे, मोटर जब्त

ग्रामीणों और महिलाओं ने कार्यकारी अभियंता से मिलकर की थी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

ग्रामीण इलाकों में पीने के पानी की किल्लत को दूर करने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। फतेहाबाद के ग्राम पंचायत धांगड़ में पीने के पानी की सप्लाई का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ विभाग ने एक बड़ा अभियान चलाकर 12 अवैध व असुरक्षित कनेक्शन काट दिए हैं। इस कार्रवाई के दौरान एक पानी खींचने वाली मोटर भी जब्त की गई है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग फतेहाबाद के जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली ने बताया कि गांव धांगड़ के ग्रामीणों और महिलाओं ने कार्यकारी अभियंता से मिलकर पीने के पानी की समस्या की शिकायत की थी। शिकायत के समाधान के लिए जब विभाग के अधिकारियों की पूरी टीम गांव पहुंची, तो वहां के हालात देखकर हैरान रह गई। ग्रामीणों ने पीने के पानी की मुख्य सप्लाई पर सर्विस स्टेशन, फैक्ट्रियां और हरे चारे के खेत जोड़ रखे थे। इसके अलावा कई घरों में पानी के नल खुले छोड़ दिए गए थे, जिससे पानी व्यर्थ बह रहा था और अन्य घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था। विभाग की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए 2 गाड़ी धोने वाले सर्विस स्टेशन, एक सीमेंट के चौके व दीवार बनाने वाली फैक्ट्री, हरे चारे और सब्जी की सिंचाई में लगे कनेक्शन सहित कुल मिलाकर 12 अवैध व असुरक्षित कनेक्शन काटे गए।

फतेहाबाद। गांव धांगड़ में कनेक्शनों की जांच करती जनस्वास्थ्य विभाग की टीम। *फोटो: हरिभूमि*

चेतावनी के साथ नोटिस किए जारी

इसके साथ ही, पानी को अवैध रूप से खींचने के लिए इस्तेमाल की जा रही एक मोटर को भी जब्त किया गया है। जिन घरों में नल खुले पाए गए, उन्हें कड़ी चेतावनी के साथ नोटिस जारी किए गए हैं। शर्मा चंद लाली ने स्पष्ट किया कि हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के माननीय मंत्री रणबीर गंगवा के आदेशानुसार, पूरे जिले की पंचायतों में असुरक्षित कनेक्शनों और पानी बर्बाद करने वालों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। लाली ने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की सप्लाई पर जितने भी गाड़ी धोने के सर्विस स्टेशन चल रहे हैं, वे उन्हें तुरंत प्रभाव से खुद ही बंद कर दें। विभाग इसके लिए विशेष टीमें बना रहा है, और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ठोस कानूनी व विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

जल संरक्षण के लिए सहयोग की अपील

विभाग ने युवाओं, महिलाओं और पंचायत प्रतिनिधियों से इस जल संरक्षण अभियान में जुड़ने की अपील की है। घोषणा की गई है कि जिस भी गांव के 10-15 ग्रामीण इस मुहिम में आगे आएंगे, वहां प्राथमिकता के आधार पर जल संरक्षण कार्य किए जाएंगे। इस पूरे अभियान के दौरान कनिष्ठ अभियंता अश्वनी कुमार, खंड संयोजक मदन लाल, सुशील कुमार, महेंद्र सिंह, रवि कुमार, नफे सिंह, श्री राम, कला राम, संदीप कुमार सहित गांव के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति के सदस्य।

हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति की बैठक

जिले में 31 जुलाई तक चलेगा विशेष सदस्यता अभियान

- भविष्य की रणनीतियों और समाज में वैज्ञानिक चेतना के विस्तार को लेकर भी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति की जिला कमेटी की बैठक भगत सिंह लाइब्रेरी एवं बुक बैंक में आयोजित की गई। इस बैठक में समिति की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ-साथ भविष्य की रणनीतियों और समाज में वैज्ञानिक चेतना के विस्तार को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मंगत सिंह ने की, जबकि मंच संचालन जिला सचिव संदीप महिया द्वारा किया गया। इस बैठक में समिति के राज्य सचिव एवं जिला प्रभारी सुरेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य सचिव सुरेश कुमार ने समिति के मूल उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के दौर में समाज को अंधविश्वास, पाखंड, अनपढ़ता और अज्ञानता जैसी कुरीतियों से मुक्त करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि समिति का मुख्य लक्ष्य समाज में वैज्ञानिक मानसिकता और सामाजिक न्याय का वातावरण तैयार करना है।

'वैज्ञानिक मानसिकता के विकास' विषय पर कार्यशाला 13-14 को

बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया गया कि आगामी 13-14 जून को हिसार में राज्य कमेटी के तत्वावधान में 'वैज्ञानिक मानसिकता के विकास' विषय पर जोनल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यशाला में फतेहाबाद जिले से करीब एक दर्जन शिक्षक भाग लेंगे, जो आगामी दिनों में जिले के स्कूली बच्चों और युवाओं में तार्किक सोच विकसित करने का काम करेंगे। जिले में ज्ञान-विज्ञान के प्रचार-प्रसार को और अधिक गति व व्यवस्थित रूप देने के लिए बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके तहत शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान तथा बुलेटिन संबंधी कार्यों के लिए अलग-अलग विशेष कोर समूहों का गठन किया गया। यह समूह जमीनी स्तर पर जाकर रूढ़िवादिता के खिलाफ अभियान चलाएंगे। बैठक में विनोद कक्कड़, भगवंत सेठी, अभिषेक, जयप्रकाश, रोहतास, संदीप इंदौरा, सचिन रति, संदीप जांगड़ा और राजपाल मिताथल सहित समिति के कई वरिष्ठ सदस्यों और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया और जिले में वैज्ञानिक सोच को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया

- उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने विभिन्न स्थानों पर लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक द्वारा फतेहाबाद में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान बैंक कर्मचारियों ने गार्डन परिसर की साफ-सफाई की तथा विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर हरित वातावरण के निर्माण में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर बैंक शाखा के मैनेजर अरुण डुमरा, असिस्टेंट भावना मूटरेजा, कैशियर सुनील सेठी, कैशियर पूनम, लोन ऑफिसर सौरभ सहित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। बैंक प्रबंधन ने बताया कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया है। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक द्वारा प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

फतेहाबाद। पौधारोपण अभियान चलाते उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के अधिकारी।

रक्तदान शिविर में 30 यूनिट रक्त एकत्रित

- एमएम कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना और जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

एमएम कॉलेज के सेमिनार हॉल में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना और जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, फतेहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ब्लड बैंक की विशेष आवश्यकता और जिला रेडक्रॉस के अनुरोध पर आयोजित इस शिविर में कॉलेज के विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो जरूरतमंदों की जान बचाने के काम आएगा। शिविर में विशेष अतिथि के रूप में गवर्नमेंट कॉलेज, रतिया के प्रोफेसर दिनेश कुमार, कृष्ण धूड़िया व कृष्ण ग्रोवर पहुंचे। उन्होंने न केवल वहां मौजूद युवाओं को रक्तदान के महत्व से अवगत कराते हुए प्रोत्साहित किया, बल्कि स्वयं भी रक्तदान कर समाज के सामने एक अनूठी मिसाल पेश की। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य नहीं है।

फतेहाबाद। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते प्राचार्य व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी।

रक्तदाताओं को किया सम्मानित

इस पूरे रक्तदान शिविर का सफल संचालन एनएसएस ब्वॉयज यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकेश सेठी तथा एनएसएस गर्ल्स यूनिट की कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रतिभा मखीजा की देखरेख में किया गया। शिविर में रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से सुनील भाटिया विशेष रूप से मौजूद रहे और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में सहयोग दिया। शिविर के समापन पर कार्यक्रम अधिकारियों ने मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही, समाज सेवा के इस पावन कार्य में अपना योगदान देने वाले सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया।

राजेंद्रा इंस्टिट्यूट में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण

सिरसा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजेंद्रा इंस्टिट्यूट के कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं कॉलेज ऑफ फार्मेसी में संस्थान के चेयरमैन एनके गुप्ता व सचिव पुलकित गुप्ता के निर्देशन में पौधारोपण एवं छबील सेवा का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस की थीम हमारी धरती, हमारा भविष्य के अनुरूप विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें नर्सिंग एवं फार्मेसी के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधारोपण किया और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। साथ ही पूरे कॉलेज परिसर में छबील (मीठे पानी की सेवा) का आयोजन किया गया, जिसमें सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं अन्य उपस्थित लोगों को मीठा शीतल जल पिलाकर सेवा की गई।

रासलीला व ठाकुर विवाह महोत्सव में झूमे श्रद्धालु

- भगवान ठाकुरजी की बाल लीलाओं, माखन चोरी, और गोर्वधन पूजा का वर्णन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

स्वर्णकार समाज की ओर से आयोजित संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा में शनिवार को कथावाचिका डॉ. राधिका ने रासलीला व ठाकुर विवाह महोत्सव का प्रसंग सुनाया जिसमें श्रद्धालु झूमकर नाचे। कथा में बाबा सरसाईनाथ मंदिर के महंत सुंदराईनाथ बतौर मुख्यातिथि थे। उन्होंने कथा में बाबा सरसाईनाथ के बारे में विस्तार से बताया। कथावाचिका ने भगवान ठाकुरजी की बाल लीलाओं, माखन चोरी, कालिया दहन और गोर्वधन पूजा का विस्तार से वर्णन किया। कलाकारों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की आलौकिक लीलाओं और उनके दिव्य विवाह प्रसंगों का सजीव मंचन किया गया, जिसने पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। शरद पूर्णिमा या विशेष रास उत्सव के दौरान ठाकुरजी और गोपियों के बीच होने वाले महारास की झांकियां सजाई गई। ठाकुर जी विवाह (रुक्मणी परिणय) महोत्सव का प्रसंग सुनाते हुए कथावाचिका ने बताया कि महोत्सव के मुख्य दिन भगवान श्री कृष्ण के द्वारका गमन और माता रुक्मिणी के साथ उनके दिव्य विवाह (रुक्मिणी परिणय) का आयोजन होता है। ठाकुर जी को पारंपरिक दूल्हे की पोशाक, सिर पर मुकुट और आभूषण पहनाकर फूलों से सजी भव्य पालकी में विराजमान किया जाता है।

सिरसा। भागवत कथा के दौरान ठाकुर व रुकमणि का विवाह का दृश्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सोनी धर्मशाला के प्रधान सोनू गोरीवाला, गजानंद सोनी, लीलाधर सोनी, संजय सोनी, महेंद्र सोनी, राजकुमार सोनी, कृष्ण सोनी, सुरजीत सोनी, बंसीलाल सोनी, सतपाल सोनी, प्रमोद सोनी, रामप्रताप सोनी, मदन सोनी, विकास सोनी, बलवंत सोनी, राजू सोनी, रामकिशन सोनी, मनोज सोनी, काशीराम सोनी, सुखविंद्र सोनी आदि मौजूद थे।

नीट पेपर लीक से युवाओं में आक्रोश केंद्रीय शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा : मुकेश

फतेहाबाद। देश में लगातार हो रहे पेपर लीक और विशेषकर नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर युवाओं और छात्रों में भारी आक्रोश है। इस गंभीर मुद्दे पर शहर के युवा समाजसेवी मुकेश प्रजापति ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय को आड़े हाथों लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तुरंत इस्तीफे की मांग की है। मुकेश प्रजापति ने कहा, नीट सहित अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक होने से देश के करोड़ों होनहार बच्चों का भविष्य अंधकार में लटक गया है। दिन-रात एक कर तैयारी करने वाले लाखों छात्रों की मेहनत पर पानी फिर गया है। मानसिक तनाव के कारण कई मासूम छात्रों ने आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा लिया, जो बेहद दर्दनाक और शर्मनाक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी बड़ी राष्ट्रीय त्रासदी और करोड़ों युवाओं के भविष्य का सवाल होने के बावजूद प्रधानमंत्री ने इस पर एक बार भी अपने मुंह से कुछ नहीं कहा। उन्होंने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण आज देश भर के छात्र सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर हैं।

लॉयर्स यूनियन की कार्यकारिणी गठित

- ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की जिला कॉन्फ्रेंस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की जिला कॉन्फ्रेंस का आयोजन बार रूम में किया गया। इस कॉन्फ्रेंस के दौरान यूनियन की नई जिला कमेटी का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। चुनाव में उपस्थित अधिवक्ताओं ने एडवोकेट कमलेश वशिष्ट पर भरोसा जताते हुए उन्हें यूनियन का नया जिला अध्यक्ष निर्वाचित किया। उनके साथ ही कार्यकारिणी को मजबूती देने के लिए एडवोकेट सत्यवान और एडवोकेट चंद्रभान को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी के विस्तार के तहत एडवोकेट शहनवाज को जिला सचिव चुना गया। वहीं, संगठनात्मक कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए एडवोकेट रामचंद्र को सहसचिव, एडवोकेट मुकेश कुमार को सहायक सचिव तथा एडवोकेट पूनम रानी को भी सहसचिव पद की कमान सौंपी गई है। इस मौके पर ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन के रा'य सचिव एडवोकेट राजविन्द्र चंदी, राज्य उपाध्यक्ष एडवोकेट सोमदत्त, देवीलाल, प्रधान दिनेश गेरा, देवेन्द्र कसवां, पूर्व बार प्रधान नरेश सोनी, राजेंद्र कुकरेजा, चंद्रभान, महेंद्र बागडिया, दीपक चौधरी, बलबीर कौर, चांदी राम और जिले सिंह सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे, जिन्होंने नई टीम को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

फतेहाबाद। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की जिला कॉन्फ्रेंस में भाग लेते वकील।

जागरूकता भट्टू में जल्द होगा नशामुक्ति सेना का गठन

भट्टू में नशा तस्करों की सक्रियता बढ़ी, एकजुट न हुए तो नशे की भेंट चढ़ जाएगी युवा पीढ़ी : भवानी सिंह

- युवाओं को बचाने के लिए सामाजिक संस्थाओं ने मिलाया हाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्टूकलां

जिले को नशामुक्त बनाने और युवा पीढ़ी को बर्बादी के दलदल से बाहर निकालने के लिए चलाई जा रही मुहिम अब तेज हो गई है। इसी कड़ी में युवाओं को खेलों व शिक्षा से जोड़ने और नशा तस्करों के खिलाफ मोर्चा खोलने वाली 'नशामुक्ति सेना' का कारवां शनिवार को राजस्थान सीमा से सटे भट्टू क्षेत्र में पहुंचा। नशामुक्ति सेना के संयोजक भवानी सिंह और जिलाध्यक्ष मोहन गढ़वाल सरपंच के नेतृत्व में पहुंची टीम का यहां विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्र की तमाम सामाजिक संस्थाओं के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भट्टू में नशामुक्ति सेना के गठन को लेकर विस्तृत चर्चाबैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जल्द ही भट्टू क्षेत्र के लिए नशामुक्ति सेना की एक मजबूत इकाई का गठन किया जाएगा, जो धरातल पर उतरकर नशे के खिलाफ काम करेगी।

भट्टूकलां। नशामुक्ति सेना की टीम का स्वागत करते विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि। *फोटो: हरिभूमि*

इन्होंने ली मुहिम को सफल बनाने क शपथ

इस बैठक में क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से गर्व सैनिक संगठन से दिनेश माचरा, सहारा एक उम्मीद संस्था से नरेन्द्र कुमार लूणा, खुशी एक उम्मीद संस्था से प्रमोद गोयल व गोपाल, व्यापार मंडल प्रधान प्रमोद गोयल के अलावा सतबीर दुपका, रविन्द्र ढाका, अनिल नंबरदार, देवेन्द्र बाना, हरपाल बैनीवाल, बंसीलाल गुज्जर, राजेन्द्र दुपका, अनूप सरपंच, पारस सिंगला, नरेश बनगांव, कृष्ण पारचा, अनिल ठाकुर, राजेश भाम्भू, कुलदीप हिजरावां, रामचन्द्र, सुभाष हिजरावां, रमेश ढाका, नरेन्द्र कुमार, संदीप ढाका रामसरा, हनुमान ढाका, राजेश, मोहित, नवीन सहित इलाके के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे और सभी ने इस मुहिम को सफल बनाने की शपथ ली।

खबर संक्षेप

हेरोइन सहित दो नशा तस्कर किए गिरफ्तार

फतेहाबाद। एएनसी सेल फतेहाबाद और जाखल पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए दो अलग-अलग जगहों से 17.23 ग्राम हेरोइन बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एएनसी सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि उनकी टीम भूना क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि भूना-फतेहाबाद रोड स्थित बाल्मीकि मंदिर के पास एक युवक हेरोइन बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर निगरानी शुरू की। पुलिस को देखकर संदिग्ध युवक छिपने का प्रयास करने लगा, जिसे मुस्तैदी से काबू कर लिया गया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 12.13 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

नौकरी के नाम पर साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। व्हाट्सएप के जरिए नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवाओं को ठगने वाले एक शातिर आरोपी को थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 5 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप के माध्यम से उससे संपर्क किया और एक अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी का लालच दिया। झांसे में लेकर आरोपी ने अमित से सिक्योरिटी राशि के नाम पर 7 हजार रुपये डिजिटल माध्यम से जमा करवा लिए। पैसे ऐंठने के तुरंत बाद आरोपी ने अपना मोबाइल बंद कर संपर्क तोड़ दिया।

अग्रवाल वैश्य समाज की रतिया महिला इकाई गठित

रतिया। अग्रवाल वैश्य समाज की महिला जिला अध्यक्ष दीपिका बंसल ने विधानसभा रतिया महिला इकाई का गठन किया है। जिला कोषाध्यक्ष विपिन गोयल ने बताया कि महिला जिला अध्यक्ष दीपिका बंसल ने सीमा रानी बंसल को रतिया महिला विधानसभा अध्यक्ष, सिया रानी को महासचिव व अनीता रानी कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। महिला अध्यक्ष को 11 सदस्यीय कार्यकारिणी गठित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एक परिवार एक सदस्य योजना को भी आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशों के अनुसार जल्द ही जिला अध्यक्ष राजेंद्र मित्तल द्वारा टोहाना विधानसभा इकाई और जिला इकाई का भी गठन कर दिया जाएगा।

नई उम्मीद वेलफेयर ट्रस्ट ने लगाई ठंडे पानी की छबील

फतेहाबाद। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नई उम्मीद वेलफेयर ट्रस्ट, फतेहाबाद द्वारा लाल बत्ती चौक पर मीठे एवं ठंडे पानी की छबील लगाई गई। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर राहगीरों को ठंडा पानी पिलाया और मानव सेवा का संदेश दिया। संगीता प्रणामी जांगड़ा ने कहा कि गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में लगातार सक्रिय है। कार्यक्रम में नशामुक्त हरियाणा के ब्रांड एम्बेसडर सियाज पुनिया ने भी अपनी टीम के साथ सहयोग करते हुए राहगीरों को ठंडा पानी वितरित किया।

सीडीएलयू में पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के फार्मेसी विभाग तथा संस्कृत विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। फार्मेसी विभाग की अध्यक्ष प्रो. संजूबाला ने बताया कि विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व पॉट प्लांट डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका ऊर्जा एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम.के. किदवई, सीडीएलयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजकुमार, तथा जेसीडी विद्यापीठ की एसोसिएट प्रोफेसर कोमल गोस्वामी ने निभाई।

शहीद भगत सिंह स्टेडियम के हॉकी मैदान में हुआ एक दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर

युवा योग को बनाएं दैनिक जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा: रणबीर गंगवा

- योग ही एकमात्र ऐसा साधन है, जो व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर पूरी तरह स्वस्थ रखता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। शहीद भगत सिंह स्टेडियम में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि योग किसी एक विशेष दिन या तारीख पर करने का सीमित अभ्यास नहीं है, बल्कि इसे हमें अपनी दैनिक जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा। जब हर नागरिक इसे अपने जीवन में उतारेगा, तभी एक स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सकती है। रणबीर गंगवा शनिवार को शहीद भगत सिंह स्टेडियम के हॉकी मैदान में महिला एवं बाल विकास, आयुष विभाग व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में व्यस्तता और तनाव के कारण इंसान कई बीमारियों से घिर रहा है। ऐसी स्थिति में योग ही एकमात्र ऐसा साधन है, जो व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर पूरी तरह स्वस्थ रखता है। योग न केवल हमारे शरीर को ऊर्जावान और लचीला बनाता है, बल्कि यह हमारे मस्तिष्क को भी शांति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि अगर देश के नागरिक शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होंगे तो हमारा देश भी प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा और स्वस्थ रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच के कारण ही आज योग को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान मिली है। आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति के इस अनमोल उपहार को अपना रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग की स्वीकार्यता इस बात का प्रमाण है कि यह संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए कितना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक स्तर पर योग अभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे न केवल स्वयं का हिस्सा बनें और योग से जुड़े, बल्कि अपने आसपास के लोगों, मित्रों और परिवारजनों को भी योग करने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. आशु शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान एसडीएम राजेंद्र जांगड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष यतिन्द्र सिंह एडवोकेट, चेयरमैन रोहताश जांगड़ा, राजेंद्र सिंह देसुजोधा, शीशपाल कंबोज, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, अमीरचंद मेहता, गुरदेव सिंह राही, नरेश पुनिया, सीडीपीओ सुदेश कुमार, संरक्षण अधिकारी अंजना डूडी आदि गणमान्य सहित योग साधक मौजूद रहे।

कांग्रेस विधायक रहे मुख्य अतिथि, बराला नहीं पहुंचे, एडीसी बीच में वापस लौटे

फतेहाबाद। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को पुलिस लाइन में जिला स्तरीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रतिया विधायक जरनैल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक दुड़ाराम तथा भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, एडीसी अनुराग ढांडिया, एएसपी दिव्यांशी सिंगला, सीटीएम गौरव गुप्ता, जिला परिषद सीईओ सुरेश कुमार सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। योग सत्र के दौरान पूर्व विधायक दुड़ाराम को कुछ योगासन करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में आसनों को पूरा करने का प्रयास किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला को चीफ गेस्ट बनाया गया था, लेकिन वह नहीं पहुंचे। डीसी डॉ.विवेक भारती भी कार्यक्रम नहीं आए। एडीसी अनुराग ढांडिया कुछ देर के लिए रुके। फिर बीच में ही उठकर चले गए। कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा की शपथ भी ली। योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, शशांकासन एवं पवनमुक्तासन का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और कपालभाति प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए उनके स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को तनावमुक्त रखने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा सकारात्मक जीवनशैली विकसित करने में सहायक सिद्ध होता है।

फतेहाबाद। योगाभ्यास करते नेता और अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

फतेहाबाद। चेयरमैन राजपाल बैनीवाल का स्वागत करते कार्यकर्ता। *फोटो: हरिभूमि*

किसान हितों के लिए कार्य करती रहेगी सरकार : राजपाल बेनीवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- चेयरमैन राजपाल बैनीवाल को यहां पहुंचने पर पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया
- सरकार का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, कृषि को लाभकारी बनाना और ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास करना है

वरिष्ठ भाजपा नेता राजपाल बैनीवाल को हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण का चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर गांव ढाणी ठोबा के पूर्व सरपंच एवं किसान नेता रवि गढ़वाल ने अपने सैकड़ों समर्थकों एवं किसानों के साथ सम्मान समारोह का आयोजन किया। यहां पहुंचने पर चेयरमैन राजपाल बैनीवाल को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजपाल बेनीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार किसानों के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं चला रही है। सरकार का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, कृषि को लाभकारी बनाना और ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास करना है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा किसानों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण किसानों के हितों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। किसान नेता रवि गढ़वाल ने कहा कि राजपाल बेनीवाल लंबे समय से किसानों की आवाज उठाते रहे हैं और उनके नेतृत्व से प्रदेश के किसानों को नई उम्मीद मिली है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सभी किसान एकजुट होकर कार्य करेंगे।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर बलजीत झाझड़ा, रामपाल सहारण, रोहतास मूंड, अनुप गढ़वाल, सरपंच भीम लांबा, पूर्व जिला पार्षद विजेंद्र सिवाच, कंवल चौधरी, चिरंजीव लाल, अमरपाल सरपंच, महाराणा प्रताप सरपंच, जस्सा सरदार, रवि मूंड, नत्था सिंह, कुलदीप शर्मा, लक्ष्य मेहता, नरेश यादव, नवीन, मुकेश, रामनिवास, दीपक, विक्रम, युवराज, विकास, रजनीश, कर्मवीर सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

पुलिस जवान स्वास्थ्य की प्रति रहें सजग: आदर्शदीप सिंह

- 47 पुलिस जवानों व उनके परिवारजनों का मानसिक स्वास्थ्य और सामान्य बीमारियों की काउंसलिंग की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। पुलिस लाइन में स्वास्थ्य जांच शिविर में पुलिस कर्मियों का स्वास्थ्य जांचते हुए चिकित्सक। *फोटो: हरिभूमि*

पुलिस लाइन में शनिवार को पुलिस कर्मचारियों और उनके पारिवारिक सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य एवं सामान्य रोगों की जांच के लिए एक विशेष मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। इस अवसर पर 47 पुलिस जवानों व उनके परिवारजनों का मानसिक स्वास्थ्य और सामान्य बीमारियों की काउंसलिंग की गई। कैंप का मुख्य उद्देश्य पुलिस जवानों और उनके परिवारजनों में मानसिक स्वास्थ्य एवं अन्य रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके मानसिक तनाव को कम करना था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्शदीप सिंह ने स्वयं शारीरिक चेकअप करवाने उपरांत उपस्थित पुलिस जवानों से कहा कि स्वस्थ शरीर मानव जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है, इसलिए प्रत्येक पुलिस जवान को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसपी सिरसा दीपक सहारण के निर्देशानुसार समय-समय पर पुलिस जवानों और उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य की जांच के लिए ऐसे मेडिकल शिविरों का आयोजन किया जाता है। इस तरह के मेडिकल कैंप का उद्देश्य पुलिस के जवानों एवं उनके परिवारजनों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि वे पूर्ण रूप से स्वस्थ रहें और अपनी ड्यूटी का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें।

नियमित और संतुलित आहार की सलाह दी

उन्होंने यह भी कहा कि पुलिसकर्मियों और उनके परिवारजनों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना पुलिस की पहली प्राथमिकता है। एएसपी आदर्शदीप सिंह ने कहा कि ऐसे कैंपों का उद्देश्य पुलिस जवानों को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील नैन ने पुलिस जवानों का ब्लड प्रेशर, शुगर और अन्य स्वास्थ्य जांच की। उन्होंने पुलिस जवानों को नियमित और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी। पुलिस जवानों के स्वास्थ्य की गहनता से जांच करने उपरांत कहा कि गर्मी के मौसम में खान-पान में विशेष सावधानी बरतने के सुझाव दिए। इस अवसर पर जिला कल्याण निरीक्षक सीमा सोढ़ी सहित अनेक पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

जीडी गोयंका स्कूल में राज्य स्तरीय ध्रुव पद शिविर संपन्न

16 जिलों के 300 युवाओं ने लिया हिस्सा

सिरसा। विद्यार्थियों को ध्रुव पद कैंप के प्रमाण पत्र वितरित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा जीडी गोयकां स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय ध्रुव पद शिविर के अंतिम दिन शनिवार को विद्यार्थियों को ध्रुव पद कैंप के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड के जिला सचिव अमित मनहर ने बताया कि राज्य के 16 जिलों के लगभग 300 प्रतिभागियों को ध्रुव पद कैंप के प्रमाण पत्र देकर जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला द्वारा सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइडस की जिला सिरसा की टीम ने सत्र 2025-26 में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के क्षेत्र में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं गतिविधियों के क्षेत्र में राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस पांच दिवसीय राज्य स्तरीय ध्रुव पद कैंप के सफल आयोजन के लिए नवीन जयहिंद एवं अमित मनहर ने जिला प्रशासन के साथ जीडी गोयनका विद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर विनोद वत्स, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त वीरेंद्र कुमार, कृष्ण सिवाच, सतपाल पारीक, जय सिंह, भानु प्रिया, विम्मी गोयल, बेअंत कौर, रवि शर्मा, दीपक नेहरा, सुरेश शर्मा सहित शिक्षक, गाइड कैप्टन, स्काउट मास्टर, प्रशिक्षक और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के कारण बनी विश्व का सबसे बड़ी पार्टी : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कालांवाली

कालांवाली। भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते मूलचंद शर्मा।

कालांवाली विधानसभा में भाजपा की ओर से कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मूलचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता संगठन की आत्मा है। भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन केवल अपने विचारों के कारण नहीं, बल्कि करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, निष्ठा और सेवाभाव के कारण बनी है। बूथ से लेकर शीर्ष स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने में प्रत्येक कार्यकर्ता का योगदान अमूल्य है। उन्होंने कहा कि जन-जन तक सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को पहुंचाने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा का भाव लेकर जाने तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को साकार करने में हमारे कार्यकर्ता सदैव अग्रणी भूमिका निभाते हैं। जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा के नेतृत्व में डबवाली विधानसभा में समर्पित कार्यकर्ताओं की सशक्त टीम निरंतर संगठन हित एवं जनहित में कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि हम सभी संगठन को सशक्त बनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अपना योगदान देते रहें।

जांडवाला में किसान कमेटी गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

गांव जाण्डवाला बागड़ में अखिल भारतीय किसान सभा की ओर से जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य गांव में मोहल्ला कमेटी का गठन करना और स्थानीय जनसमस्याओं पर रणनीति तैयार करना था। बैठक की अध्यक्षता किसान नेता धर्मपाल सिंह ने की और संचालन सुभाष चन्द्र भादु ने किया। जिला प्रधान विष्णु दत्त मुख्य वक्ता के रूप में विशेष तौर पर मौजूद रहे। बैठक में संगठन की मजबूती और विस्तार पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से 12 सदस्यीय गांव कमेटी का गठन किया गया। इसमें धर्मपाल सिंह को प्रधान, राजेश कुमार को सचिव, हरी सिंह व विनोद कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा सुभाष चन्द्र, सुनील कुमार, विजय सिंह, कृष्ण चन्द्र, संत लाल, सूरजभान भादु और अमन कुमार को कमेटी सदस्य के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे जिला प्रधान विष्णु दत्त ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में मेहनतकश जनता को अपने हक और अधिकारों को हासिल करने के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करनी होगी।

फसलों के खराब मुआवजे और समस्याओं को लेकर डीसी से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

भट्टूकलां। गांव जाण्डवाला बागड़ में हुई बैठक में भाग लेते किसान।

किसानों को उचित मुआवजे से वंचित किया : भादू

किसान नेता सुभाष चन्द्र भादु ने गांव की मुख्य समस्याओं को उठाते हुए कहा कि जाण्डवाला बांगड़ में जलभराव के कारण काफी एकड़ जमीन पर फसलें पूरी तरह खराब हो गई थीं। इसके बावजूद प्रशासन ने रिपोर्ट में करीब 2 हजार एकड़ में केवल 0 से 25 प्रतिशत तक ही खराबा दिखाकर किसानों को उचित मुआवजे से वंचित कर दिया है। उन्होंने मांग की कि इस खराब हुई फसल का मुआवजा तुरंत जारी किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने मांग उठाई कि खेतों व ढाणियों के कच्चे रास्तों को जल्द पक्का किया जाए। किसान नेताओं ने कहा कि इन सभी मांगों को लेकर संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही उपायुक्त से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपेगा।

सब्जी मंडी में धंसी सड़कें बनीं हादसों को न्योता, दुकानदारों ने जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- व्यापारियों का आरोप है कि विभाग शायद किसी बड़े हादसे का कर रहा इंतजार

सब्जी मंडी में मार्केट कमेटी की कथित लापरवाही के चलते मंडी परिसर में कई स्थानों पर सडक़ें धंस चुकी हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मंडी के दुकानदारों और आढ़तियों ने बताया कि सीवर लाइन के आसपास कई जगह सडक़ में गड्ढे और दरारें बन गई हैं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। दुकानदारों के अनुसार मंडी में प्रतिदिन भारी वाहन सब्जियां और फल लेकर पहुंचते हैं। इन वाहनों के लगातार आवागमन के कारण धंसी हुई सडक़ें और अधिक कमजोर हो रही हैं। उनका कहना है कि यदि कोई भारी वाहन अचानक धंसी हुई जगह पर चढ़ गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। मंडी व्यापारियों ने बताया कि इस समस्या से संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अधिकमास की कालाष्टमी 8 को, श्रद्धालुओं के लिए व्रत विशेष फलदायी रहेगा

काल भैरव की पूजा से मिलेगा कई गुना अधिक पुण्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

अधिकमास में पडऩे वाली कालाष्टमी इस बार 8 जून, सोमवार को मनाई जाएगी। भगवान शिव के रौद्र स्वरूप माने जाने वाले काल भैरव को समर्पित यह व्रत विशेष फलदायी माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अधिकमास में की गई काल भैरव पूजा और व्रत का पुण्य सामान्य कालाष्टमी की तुलना में कई गुना अधिक मिलता है। वैदिक ज्योतिषी डॉ. सोनू शर्मा के अनुसार अधिकमास लगभग 3 वर्ष में एक बार आता है। ऐसे में इस दौरान पडऩे वाली कालाष्टमी का महत्व और बढ़ जाता है।

मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा करने पर काल भैरव भक्तों को भय, शत्रु बाधा और संकटों से रक्षा प्रदान करते हैं। जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ अधिकमास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 8 जून को सुबह 3:24 बजे शुरू होगी। 9 जून को सुबह 3:23 बजे समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर कालाष्टमी व्रत 8 जून को रखा जाएगा।

प्रदोष काल में करें पूजा

पंडित सोनू शर्मा।

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार कालाष्टमी की पूजा प्रदोष काल में करने का विशेष महत्व है। 8 जून को प्रदोष काल शाम 6:30 बजे से 7:30 बजे तक रहेगा। इस एक घंटे की अवधि में श्रद्धालु भगवान काल भैरव की विशेष पूजा-अर्चना कर सकते हैं। सुबह स्नान कर व्रत का संकल्प लें। काल भैरव या भगवान शिव का चित्र अथवा प्रतिमा स्थापित करें। सरसों के तेल का दीपक जलाकर चंदन, अक्षत, पुष्प अर्पित करें। इसके बाद काले तिल, नारियल, लड्डू, मीठा पान, अन्य नैवेद्य अर्पित करें। श्रद्धा अनुसार भैरव चालीसा का पाठ करें। मंत्रों का जाप करें। अंत में आरती करें। परिवार की सुख-समृद्धि और सुरक्षा की कामना करें। पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कालाष्टमी व्रत से नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम होता है, शत्रु भय दूर होता है और जीवन में आने वाले संकटों से रक्षा मिलती है। विशेष रूप से अधिकमास में किया गया यह व्रत आध्यात्मिक उन्नति और मनोकामना पूर्ति के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

खबर संक्षेप

पांच दिवसीय जांभाणी संस्कार शिविर 9 जून से

सिरसा। बिश्नोई सभा सिरसा, जांभाणी साहित्य अकादमी बीकानेर व आरपीएस स्कूल, खैरेकां के संयुक्त तत्वावधान में समाज के किशोरावस्था बच्चों के लिए जांभाणी संस्कार शिविर का आयोजन खैरेकां स्कूल परिसर में 9 से 13 जून तक किया जाएगा। प्रचार सचिव डॉ. मनीराम सहारण ने बताया कि बच्चे, प्रातः 6 बजे शिविर में पहुंचेंगे, योग-प्राणायाम व हवन पश्चात दोपहर 12 बजे तक विद्वान वक्ता बच्चों को जांभोजी जीवन दर्शन, कैरियर गाइडेंस, भोजन व स्वास्थ्य, बिश्नोई पंथ से संबंधित सभी विषयों से अवगत करवाएंगे।

पुलिस ने युवक को हेरोइन सहित दबोचा

सिरसा। पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को 7 ग्राम 390 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी को गश्त के दौरान जनकल्याण कॉलोनी क्षेत्र से काबू किया गया। एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान दीपक निवासी सिरसा के रूप में हुई है।

मैगा कैंप में सैकड़ों मरीजों की हुई जांच

सिरसा। निकटवर्ती गांव बाजेकां में शनिवार को निशुल्क मैगा कैंप लगाया गया जिसमें सैकड़ों लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। कैंप में चिकित्सक डॉ. दिनेश गिजवानी ने बुखार, सर्दी खांसी एवं सामान्य बीमारियों की जांच की जबकि बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आदीश जैन ने बच्चों के रोगों की जांच व महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. नवनीत कौर ने महिला रोगियों की जांच की और उन्हें उचित परामर्श दिया।

अपहरण कर फिरौती मांगने के मामले में एक और काबू

सिरसा। शहर के बुक स्टोर संचालक के बेटे का अपहरण 70 लाख रुपये की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वारदात में संलिप्त कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सिरसा जिला निवासी अजय सिंह के रूप में हुई है। शहर थाना प्रभारी बलराज सिंह ने बताया कि इंद्रपुरी मोहल्ला निवासी राजेश कुमार ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसका 12 वर्षीय बेटा ट्यूशन सेंटर जाता है। बच्चे को दुकान पर काम करने वाला युवक सौरभ बाइक पर ट्यूशन छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान अपहरण किया गया।

200 ग्राम चूरापोस्त के साथ तस्कर गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए जिला के गांव अबूबशहर क्षेत्र से एक व्यक्ति को एक किलो 200 ग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान अमर सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव अबूबशहर क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा।

दूषित भोजन और पानी से बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को विशेष सतर्क रहने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मौसम में बदलाव और बरसात की शुरुआत के साथ ही डायरिया, टाइफाइड, फूड पॉइजनिंग और पेट संबंधी संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी होने लगती है। ऐसे में खान-पान और स्वच्छता को लेकर थोड़ी सी लापरवाही भी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर सुखदा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अमित मेहता ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी।

अस्वच्छ पानी गंभीर बीमारियों को दे सकते हैं जन्म : डॉ. अमित

डॉ. अमित मेहता ने बताया कि गर्मी और बरसात के मौसम में बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्म जीव तेजी से पनपते हैं। इसके कारण भोजन और पानी के दूषित होने की संभावना बढ़ जाती है। सड़क किनारे खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थ, लंबे समय तक रखा गया बासी भोजन और अस्वच्छ पानी कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा क्षमता वाले लोगों को होता है। ऐसे लोगों में संक्रमण तेजी से फैल सकता है और समय पर उपचार नहीं मिलने पर स्थिति गंभीर भी हो सकती है। डॉ. मेहता ने कहा कि लोग अक्सर डायरिया, उल्टी-दस्त और पेट खराब होने जैसी समस्याओं को सामान्य मानकर घरेलू उपचार तक सीमित रहते हैं, जबकि लगातार दस्त या उल्टी होने पर शरीर में पानी और जरूरी लवणों की कमी हो सकती है। इससे डिहाइड्रेशन की स्थिति पैदा हो जाती है, जो कई बार जानलेवा भी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि मरीज को लगातार उल्टी-दस्त, तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी या चक्कर आने जैसी समस्या हो तो तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए।

बचने के लिए अपनाएं ये सावधानियां

- ☐ हमेशा ताजा और गर्म भोजन का सेवन करें।
- ☐ खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थ खाने से बचें।
- ☐ पीने के लिए स्वच्छ और शुद्ध पानी का ही उपयोग करें।
- ☐ भोजन करने से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ अच्छी तरह धोएं।
- ☐ फलों और सब्जियों को साफ पानी से धोकर ही इस्तेमाल करें।
- ☐ लंबे समय तक रखा हुआ या बासी भोजन न खाएं।
- ☐ बच्चों को बाहर मिलने वाले कटे हुए फल और अस्वच्छ खाद्य पदार्थ खाने से रोकें।

इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

- ▶▶ 24 घंटे से अधिक समय तक दस्त बने रहें।
- ▶▶ तेज बुखार के साथ उल्टी-दस्त की शिकायत हो।
- ▶▶ शरीर में अत्यधिक कमजोरी या चक्कर महसूस हों।
- ▶▶ पेशाब कम आने लगे।
- ▶▶ बच्चों और बुजुर्गों में पानी की कमी के लक्षण दिखाई दें।

सुरक्षित खान-पान अपनाकर बचाव संभव

डॉ. अमित मेहता ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए खाद्य सुरक्षा को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। थोड़ी सी जागरूकता, स्वच्छता और सुरक्षित खान-पान अपनाकर कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बरसात के मौसम में विशेष सतर्कता बरतें और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें। डॉ. अमित मेहता के अनुसार बरसात के मौसम में दूषित भोजन और अस्वच्छ पानी कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। सुरक्षित खान-पान और समय पर उपचार ही संक्रमण से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

-डॉ. अमित मेहता।

ये बीमारियां हो सकती है

बरसात में डायरिया, टाइफाइड, फूड पॉइजनिंग, पेट और आंतों का संक्रमण, उल्टी और डिहाइड्रेशन, पीलिया जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

24 हजार टन से ज्यादा की बिक्री, 64 हजार टन डिमांड

धान सीजन से पहले बढ़ी यूरिया की मांग किसान समय से पहले ही कर रहे स्टॉक

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

15 जून से शुरू होने वाली धान की बिजाई को देखते हुए कृषि विभाग और सहकारी समितियों ने खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। विभाग का दावा है कि जिले में फिलहाल यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। कृषि विभाग के अनुसार जिले में इस समय 20119 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक मौजूद है। इसके अलावा अगले सप्ताह यूरिया के नए रैक भी पहुंचने की संभावना है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष यूरिया की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जिले में अब तक 24888 मीट्रिक टन अधिक यूरिया की बिक्री हो चुकी है। आमतौर पर मई तक जिले में करीब 4 हजार मीट्रिक टन यूरिया की खपत होती है, लेकिन इस बार किसानों ने अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में खरीदारी की है। यही स्थिति डीएपी की है। जिले में धान के लिए कुल 18500 एमटी डीएपी की जरूरत है। विभाग के पास 6224 एमटी की उपलब्धकता है। इसमें से 3957 एमटी किसान खरीद चुके हैं जबकि 2667 एमटी अभी स्टॉक उपलब्ध है।

अलग खबर

फतेहाबाद। इफको सेंटर के बाहर खाद के लिए लगी किसानों की लाइन।

डीएपी के बढ़े दाम बन सकते हैं परेशानी

खाड़ी देशों में युद्ध के चलते डीएपी के दामों में 30 से 35 प्रतिशत वृद्धि देखने को मिली है। जो कट्टा 1900 रुपए का आता था, उसका दाम अब 2400 तक हो गया है। इससे गेहूं के सीजन में किसानों के लिए परेशानी बनेगी। गेहूं के सीजन में सबसे अधिक यूरिया और डीएपी की मांग रहती है। सऊदी अरब से भी यह खाद मंगवाया जाता है। इसलिए इसके दामों में वृद्धि हुई है।

विभाग का दावा - मौजूदा स्टॉक पर्याप्त

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि धान की बिजाई शुरू होने के साथ ही जुलाई में यूरिया की मांग और बढ़ेगी। किसान आगामी जरूरत को देखते हुए खाद का स्टॉक जुटाने में लगे हुए हैं। इसी कारण मांग सामान्य दिनों की तुलना में अधिक बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि धान की रोपाई शुरू होने के बाद जुलाई में यूरिया की मांग सबसे अधिक बढ़ जाती है। इसी दौरान किसानों को खाद की आवश्यकता अधिक रहती है, जिसके चलते वितरण व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बनता है। हालांकि विभाग का दावा है कि मौजूदा स्टॉक पर्याप्त है और आने वाले दिनों में अतिरिक्त आपूर्ति मिलने से स्थिति और मजबूत होगी। किसानों को जरूरत के अनुसार खाद उपलब्ध कराने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। खाद की कालाबाजारी और कृत्रिम कमी रोकने के लिए भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। किसानों से अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत बिक्री केंद्रों से ही खाद खरीदें और आवश्यकता के अनुसार ही भंडारण करें।

ये है खाद की स्थिति

यूरिया	डीएपी
कुल जरूरत : 64 हजार एमटी	कुल आवश्यकता : 18500 एमटी
कुल उपलब्धता : 45007 एमटी	कुल उपलब्धता : 6224 एमटी
बिक्री हुई : 24888 एमटी	बिक्री हुई : 3957 एमटी
बकाया : 20119 एमटी	बकाया : 2667 एमटी

अगले सप्ताह तक यूरिया के रैंक आएंगे

विभाग की ओर से यूरिया का पर्याप्त स्टाक स्टाक उपलब्ध है, अगले सप्ताह तक यूरिया के रैंक आएंगे। जिससे यूरिया की उपलब्धता को लेकर पूरेशानी नहीं होगी।

-राजेश सिहाग , उप निदेशक, कृषि विभाग, फतेहाबाद

कॉलेज के हटाए गए कर्मचारियों के समर्थन में उतरा नपा कर्मचारी संघ

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज की प्रबंधक कमेटी द्वारा वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों को नौकरी से हटाए जाने के खिलाफ चल रहा विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। कॉलेज के बाहर बहाली की मांग को लेकर धरने पर बैठे इन कर्मचारियों के आंदोलन को अब नगरपालिका कर्मचारी संघ का भी खुला समर्थन मिल गया है। संघ के पदाधिकारियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर कॉलेज प्रबंधन कमेटी के इस कदम की कड़े शब्दों में निंदा की और आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया। धरना दे रहे कर्मचारियों के बीच पहुंचे नगरपालिका कर्मचारी संघ फतेहाबाद के इकाई प्रधान नरेश राणा और उप प्रधान अमित गिल ने कॉलेज प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कॉलेज में अलग-अलग पदों पर तैनात सेवादार, चौकीदार और माली पिछले करीब 11 से 20 वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रहे थे, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने दुर्भावना और रंजिश के तहत इन गरीब कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया, जो कि पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। कॉलेज प्रशासन तुरंत प्रभाव से सभी हटाए गए कर्मचारियों को वापस नौकरी पर बहाल करे, अन्यथा इस अन्याय के खिलाफ एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा। धरना स्थल पर नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य वरिष्ठ उप प्रधान रमेश तुषामड, जिला प्रधान विजय ढाका, सचिव ओम प्रकाश लोट, वीरू रत्ती, गुरदयाल भट्टी, राजा राम चौहान और ओम प्रकाश झलनियां सहित भारी संख्या में कर्मचारी व संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

नहर में डूबे दो किशोरों के शव बरामद

सिरसा। नहर में डूबे गांव बणी निवासी दो किशोरों के शव पुलिस ने राजस्थान क्षेत्र से नहर से बरामद कर लिए हैं। उल्लेखनीय है कि गांव बणी निवासी मनीष कुमार व मोहित बीते वीरवार को राजकनाल में नहाने के लिए गए थे और डूबे गए। दो दिनों से गोताखोर उनकी तलाश कर रहे थे। शनिवार को राजस्थान क्षेत्र में नहर पुल के निकट से दोनों किशोरों के शव मिले। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर टिब्बी के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद परिजन उनके शव लेकर गांव में पहुंचे। बताया जा रहा है कि दोनों गांव के अन्य युवकों के साथ नहर में नहाने गए थे, लेकिन परिजनों को इस बात की जानकारी नहीं थी। दोनों वापस घर नहीं लौटे तो नहर में डूबने का पता चला, जिसके बाद गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश शुरू की गई। बताया जा रहा है कि दोनों ही अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं। शनिवार को गांव में दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

नाइट डोमिनेशन के तहत वाहनों को जांचा

सिरसा। अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीती रात्रि डिंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इंटरस्टेट नरेलखेड़ा नाके पर विशेष नाइट डोमिनेशन अभियान चलाया गया। यह अभियान रात्रि 11 बजे से प्रातः 4 बजे तक जारी रहा। अभियान के दौरान जिला के बॉर्डर क्षेत्र में सघन चेकिंग की गई तथा जिला में प्रवेश करने वाले संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी गई। पुलिस टीमों ने नाके लगाकर वाहनों की गहन जांच की। इस दौरान 71 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 14 वाहनों के चालान किए गए। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि नाइट डोमिनेशन अभियान का मुख्य उद्देश्य रात्रि के समय अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर नियमित नाकाबंदी, गश्त और विशेष निगरानी अभियान चलाए जाते हैं ताकि आपराधिक तत्वों में कानून का भय बना रहे और किसी भी प्रकार की आपराधिक वारदात को रोका जा सके। एसपी ने कहा कि सिरसा पुलिस अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

चलती कार में लगी आग, चालक और साथी ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले के भट्ट कलां क्षेत्र में गांव मेहुवाला और डिंग के बीच शनिवार को एक कार में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि कार सवार दोनों युवक समय रहते बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। बोनट की चिंगारी से उठी आग ने देखते ही देखते पूरी कार को चपेट में ले लिया। इससे कार पूरी तरह जल गई। इसके बाद युवकों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। राहगीरों ने जलती कार की वीडियो भी बनाई। सूचना पुलिस को भी दी गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हिसार जिले के आदमपुर क्षेत्र के गांव चूली खुर्द निवासी विक्रम बैनीवाल (25) भट्ट क्षेत्र के गांव मेहुवाला निवासी अपने दोस्त पंकज (27)के साथ कार में सवार होकर दवाई लेने के लिए सिरसा जा रहे थे। दोनों पंकज की में सवार होकर भट्टकलां से सिरसा की ओर निकले थे। जानकारी के अनुसार जब वे मेहुवाला और डिंग के बीच पहुंचे तो अचानक कार के बोनट से शॉर्ट सर्किट जैसी आवाज सुनाई दी। स्थिति को भांपते हुए पंकज ने तुरंत वाहन सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद दोनों ने नीचे उतरकर बोनट खोलकर जांच की तो उसमें तेज स्पार्किंग होने लगी और देखते ही देखते आग भड़क उठी। आग लगने से कार को नुकसान पहुंचा, हालांकि समय रहते दोनों युवक वाहन से बाहर निकल गए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

अफसर कॉलोनी के पीछे रिहायशी गली में शिफ्ट की हाई वोल्टेज लाइन की होगी जांच

भूना। टोहाना रोड स्थित अफसर कॉलोनी के पीछे रिहायशी क्षेत्र की गली में शिफ्ट की गई हाई वोल्टेज बिजली लाइन का मामला अब ग्रीवेंस कमेटी तक पहुंच गया है। कॉलोनीवासियों की शिकायत पर 8 जून को फतेहाबाद में आयोजित होने वाली जिला ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में इस मामले की सुनवाई होगी। बैठक की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी करेंगे। शिकायतकर्ताओं को भी सुनवाई के लिए उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि बिजली निगम के तत्कालीन अधिकारियों ने प्रॉपर्टी डीलरों को लाभ पहुंचाने के लिए नियमों को दरकिनार कर हाई वोल्टेज लाइन को एक स्थान से हटाकर रिहायशी गली में शिफ्ट कर दिया। पहले यह लाइन कुछ खाली प्लॉटों के ऊपर से गुजर रही थी, लेकिन बाद में तीन नए बिजली पोल लगाकर इसे गली से निकाला गया। आरोप है कि इससे संबंधित प्लॉटों की बाजार कीमत में भारी बढ़ोतरी हुई, जबकि आसपास रहने वाले लोगों के लिए नई परेशानी खड़ी हो गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हाई वोल्टेज तार अब कई मकानों की छतों के नजदीक से गुजर रही है, जिससे करंट लगने और दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है। लोगों ने इस व्यवस्था का लंबे समय से विरोध किया, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

हरियाणा स्टेट स्विमिंग और मॉडर्न पेंटाथलॉन चैंपियनशिप में एसएस शिक्षण संस्थानों का जलवा

सिरसा। 61वीं सीनियर हरियाणा स्टेट स्विमिंग चैंपियनशिप-2026 तथा हरियाणा स्टेट मॉडर्न पेंटाथलॉन चैंपियनशिप-2026 में शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज एवं शाह सतनाम जी बॉयज स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण, 2 रजत और 10 कांस्य पदक जीतकर संस्थान का नाम रोशन किया। बहादुरगढ़ स्थित एचएल सिटी में आयोजित 61वीं सीनियर हरियाणा स्टेट स्विमिंग चैंपियनशिप में अंतरराष्ट्रीय तैराक एवं डैफ ओलंपियन अमन शर्मा ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वहीं नवीन कुमार ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक, 50 मीटर फ्री स्टाइल तथा 50 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में तीन कांस्य पदक हासिल किए। शाह सतनाम जी स्कूल के छात्र नीतीश ने 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में कांस्य पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा दीपांशु, भारत और अवतार ने भी प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन किया। हिसार स्थित मॉडर्न डिफेंस स्कूल में आयोजित हरियाणा स्टेट मॉडर्न पेंटाथलॉन चैंपियनशिप-2026 में भी खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अंडर-13 वर्ग में वंश ने ट्रायथले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। अंडर-15 वर्ग में इवयान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। अंडर-17 वर्ग में दलजीत ने ट्रायथले में रजत, सागर ने बायथले में रजत तथा देविश ने कांस्य पदक जीता। अंडर-19 वर्ग में हरमीत ने बायथले स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। अंडर-21 वर्ग में शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज के खिलाड़ी दीपांशु ने बायथले में स्वर्ण और ट्रायथले में कांस्य पदक जीतकर दोहरी सफलता प्राप्त की। इसी वर्ग में भारत ने कांस्य पदक हासिल किया, जबकि अवतार चौथे स्थान पर रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

कार्यक्रम अफ्रीका डे समारोह और द्वितीय जेनरेशन म्यूजिकल एंड कल्चरल फेस्टिवल में दी शानदार प्रस्तुती

मोरक्को में गूंजी हरियाणवी फाग-धमाल की थाप, अफ्रीका डे पर भारतीय दल ने बांधा समां

'मेरा हरियाणा' की धुन पर भारतीयों की आंखें हो गई नम

दलबीर सिंह ▶▶| भूना

हरियाणा की माटी की खुशबू अब सात समंदर पार मोरक्को तक पहुंच गई। सांझी संस्कृति फाउंडेशन के बैनर तले अध्यक्ष धर्मेंद्र डांगी के नेतृत्व में भारतीय दल ने मोरक्को में हरियाणवी संस्कृति का डंका बजाया। अफ्रीका डे समारोह और द्वितीय जेनरेशन म्यूजिकल एंड कल्चरल फेस्टिवल में हरियाणवी लोक नृतक सुशील कुमार की धमाल-फाग पर विदेशी झूम उठे, तो पद्मश्री महाबीर गुड्डू के लोकगीतों ने समां बांध दिया।

फेज शहर में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में हरियाणवी घाघरा-चुंदड़ी और पगड़ी की छटा देखते ही बनी। सुशील कुमार ने जब ढोल-नगाड़ों के बीच 'धमाल' नृत्य प्रस्तुत किया तो पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। सैक्सोफोन पर अशोक कुमार ने 'मेरा हरियाणा' की धुन छेड़ी तो मोरक्को में बसे भारतीयों की आंखें नम हो गई। शास्त्रीय नृत्य कलाकार सनी कुमार और मंच संचालक रिया डांगी की प्रस्तुति ने भी खूब वाहवाही लूटी। रबात स्थित भारतीय दूतावास में अफ्रीका डे पर हुए कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति छाई रही।

भूना। मोरक्को में हरियाणवी फेज फेस्टिवल में घाघरा-चुंदड़ी पहने हरियाणवी कलाकार।

हरियाणवी सिनेमा को मिलेगी नई पहचान

भारत के राजदूत संजय राणा की मौजूदगी में हरियाणवी लोक कला का प्रदर्शन हुआ। राजदूत राणा ने कहा कि हरियाणा की लोक संस्कृति मेहनत और मस्ती का संगम है। यह आयोजन भारत-मोरक्को की दोस्ती को और मजबूत करेगा। इस दौरान बड़ी उपलब्धि भी हासिल हुई। सांझी संस्कृति फाउंडेशन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र डांगी और नबद अल मगरेब फाउंडेशन की अध्यक्ष खदीजा एल मरबूह के बीच जनवरी में इंडो-मोरक्कन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल कराने का एमओयू हुआ। डांगी ने कहा कि अब हरियाणवी सिनेमा और लोक कला को मोरक्को के मंच पर नई पहचान मिलेगी। दोनों देशों के कलाकार मिलकर काम करेंगे। कार्यक्रम में दूतावास के हेड ऑफ चांसरी सुनील कुमार, सांस्कृतिक अधिकारी अमित कुमार, राजदूत की धर्मपत्नी, समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। मोरक्को के स्थानीय लोगों ने भी हरियाणवी बोली और पहनावे में गहरी दिलचस्पी दिखाई। फिल्म निर्माता राकेश अंडानिया व सियाराम ने बताया कि विदेशी दर्शक हरियाणवी फोक को विश्वस्तरीय मान रहे हैं।कुल मिलाकर मोरक्को की धरती पर हरियाणा की फाग, रागनी और धमाल की ऐसी धूम मची कि अफ्रीका डे भारतीय संस्कृति के रंग में रंग गया।

फीफा वर्ल्ड कप 2026
रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी

साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्सा हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता

पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए- ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

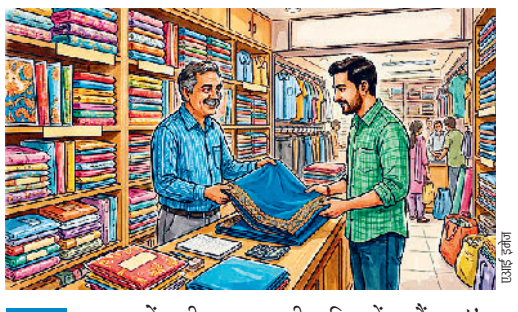

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

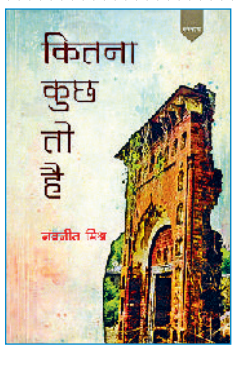

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखक:** नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

शिमला समर फेस्टिवल – 2026

सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सव: शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शन: शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

कलाकारों को मिलेगा अवसर: आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदान: यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम: शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है। *

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माण: टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करना: अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करना: वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारें: अकसर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करें: जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्ति: यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखें: सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलाव: समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगाम: अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएं: किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उसे क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है। *

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्ले: म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अकसर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपरा: ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेट: इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है। *

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

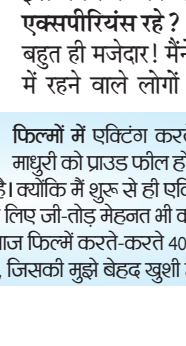

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है। *

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।